प्रकाशनार्थ

पटना, **13** फरवरी। एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इन्स्टीच्यूट (आद्री) और बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति (बी0एस0एस0एस) ने आज संयुक्त रुप से भारत सरकार के आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ए0बी0.पी0एम0जे0ए0वाई) पर एक प्रोग्राम किया। इस प्रोग्राम का शीर्षक ''वन डे ट्रेनिंग आॅन ट्रैनजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टी0एम0एस) 2.0'' था। यह योजना भारत सरकार का एक प्रमुख स्वास्थ्य बीमा योजना है। टी0एम0एस0 2.0 इस स्कीम का अपग्रेडेड वेबसाइट पोर्टल है। इसे मरीज के अस्पताल में भर्ती होने पर इस्तेमाल किया जाता है। बी0एस0एस0एस के सी0ई0ओ0 श्री शशांक शेखर सिन्हा ने इस मौके पर बोलते हुए कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद बिहार के तमाम अस्पतालों के स्टाफ को इस नए पोर्टल से अवगत कराना था। उन्होंने प्रोग्राम की उपयोगिता को भी आंका।

बी0एस0एस0एस0 के ए0ओ0 श्री शैलेष चन्द्र दिवाकर ने दर्ज किया कि आज बिहार में 3.7 करोड़ लोग आयुष्मान कार्ड बनवा चुके हैं। 3000–3500 लोग हर दिन इस योजना के जरिए अपना इलाज के लिए आ रहे हैं। लेकिन सरकारी अस्पतालों का हिस्सा इस 3000–3500 के आंकड़ा में सिर्फ 600 है जिसमें कि महज 150 मरीज पीएमसीएच व एनएमसीएच जैसे अस्पताल जा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने खेद प्रकट किया कि सरकारी अस्पताल मरीज के छूटने के बाद 15 दिन के अन्दर पेमेंट के लिए दावा नहीं दर्ज कर रहे हैं। इससे दावा खारिज हो जाता है। इसे ठीक करने का श्री दिवाकर ने आग्रह किया। डा0 नीरज कुमार सिंह, डायरेक्टर- हेल्थकेयर, बी0एस0एस0एस ने बताया कि टी0एम0एस 2.0 पोर्टल टी0एम0एस 1.0 की तुलना में काफी ज्यादा तेजी से दस्तावेजों को प्रोसेस करता है। टी0एम0एस 2.0 के जरिए वास्तविक समय में फैसला लिया जा सकता है। इसने धोखाधड़ी रोकने के लिए ए0आई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेस) का उपयोग करते हुए सफलता पाई है।

इसके पहले आद्री की मेम्बर-सेक्रेटरी डा0 अस्मिता गुप्ता ने कहा कि उनकी संस्था ए0बी0.पी0एम0जे0ए0वाई को बिहार में लागू करने के लिए तकनीकी सहायता देती है। जो डेटा इस पोर्टल में डाले जा रहे हैं, वह सरकार को फैसला लेने में बहुमूल्य मदद करेगा। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में पटना जिला के पीएमसीएच, आईजीआईसी, एनएमसीएच जैसे अस्पतालों के साथ-साथ कई पीएचसी और सीएचसी के करीब 90 स्टाफ ने हिस्सा लिया। इसमें 10 डाक्टर्स भी मौजूद थे। आद्री के सेंटर फाॅर हेल्थ पाॅलिसी (सीएचपी) के श्री इन्द्रजीत गोस्वामी ने सभा का समापन किया।

(अभिषेक प्रसाद)